3 राजस्थान का पौराणिक, ऐतिहासिक स्वरूप एवं जनपद युग

1. चित्तौड़ व उदयपुर के आसपास के क्षेत्र को ..... जनपद के रूप में जाना जाता था।
(1) शिवि (2) मालव (3) बैराठ (4) अवन्ति

2. निम्न में कौन–सी राजस्थान के शिवी जनपद की राजधानी थी?
(1) धौलपुर (2) विराटनगरी
(3) इन्द्रप्रस्थ (4) मध्यमिका

3. सूरसेन जनपद का विस्तार राजस्थान के किन भागों में था?
(1) पूर्वी अलवर, भरतपुर, डीग, करौली, धौलपुर
(2) जयपुर, जयपुर ग्रामीण, भरतपुर, धौलपुर का कुछ हिस्सा
(3) अलवर, भरतपुर, खैरथल–तिजारा
(4) कोटपूतली–बहरोड़, खैरथल–तिजारा, जयपुर

4. गुप्त शासक समुद्रगुप्त ने 351 ई. के लगभग राजस्थान के किस क्षत्रप शासक को परास्त कर दक्षिणी राजस्थान को अपने राज्य में मिला लिया था?
(1) कनिष्क तृतीय (2) रूद्र सिंह
(3) कनिष्क प्रथम (4) रूद्रदामा द्वितीय

5. प्राचीन मत्स्य प्रदेश की राजधानी थी?
(1) गिलुण्ड (2) रंगमहल
(3) विराटनगर (4) नगरी

6. चीनी यात्री ह्वेनसांग जिसने भीनमाल की यात्रा की थी, भीनमाल को क्या नाम दिया था?
(1) पोलोमिलो (2) यौद्धेय प्रदेश
(3) श्रीमाल (4) शुरसेन

7. राजस्थान का वह स्थान जो पहले विराटनगर से जाना जाता था, जहाँ पर पांडवों ने अज्ञातवास का एक वर्ष बिताया था, आज किस नाम से जाना जाता है?
(1) भीनमाल (2) मत्स्य
(3) बैराठ (4) द्रोणपुर

8. राजस्थान में निम्न में से किस गणतांत्रिक जनजाति के सर्वाधिक सिक्के प्राप्त हुए हैं?
(1) यौधेय (2) मालव
(3) अर्जुनायन (4) राजन्य

9. प्राचीन नगर 'द्रोणपुर' वर्तमान राजस्थान के किस क्षेत्र में अवस्थित था?
(1) तालछापर–चुरू (2) जांगलप्रदेश–बीकानेर
(3) अहिच्छत्रपुर–नागौर (4) शूरसेन–मथुरा

10. प्राचीन ऐतिहासिक स्थल 'आश्रम पट्टन' की आधुनिक पहचान है?
(1) सांभर (2) केशवरायपाटन
(3) विराटनगर (4) शिवपुर

11. प्राचीन साहित्य व अभिलेखों में वर्णित 'मरू तथा धन्व' शब्द का प्रयोग किस जिला या संभाग के लिए हुआ है?
(1) बीकानेर (2) गंगानगर
(3) जोधपुर (4) हनुमानगढ़

12. राजस्थान का कौनसा जिला परशुराम की तपस्या स्थली से जुड़ा हुआ है?
(1) बूँदी (2) अलवर
(3) कोटा (4) भरतपुर

व्याख्या– परशुराम ने राजस्थान के कोटा के जंगलों में तपस्या की थी।

Lead, Read and Achieve
Dhindhwal Publication

अध्यापक भर्ती के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

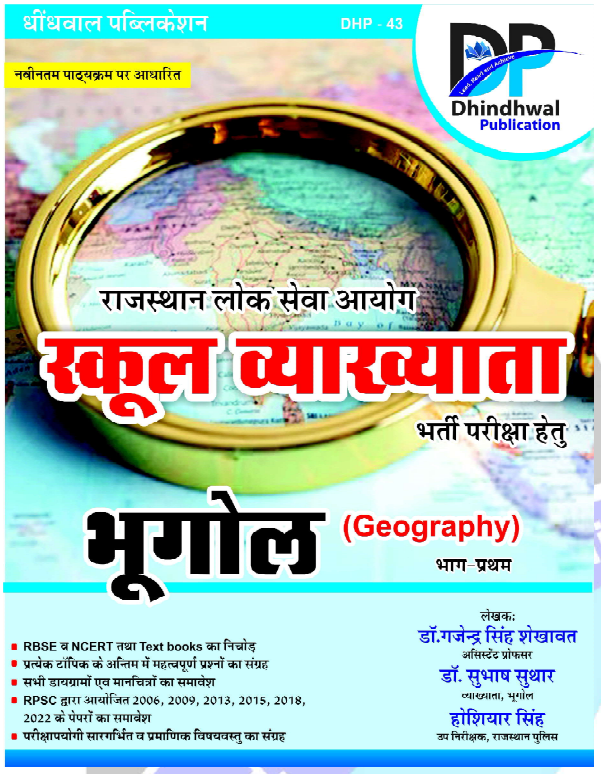

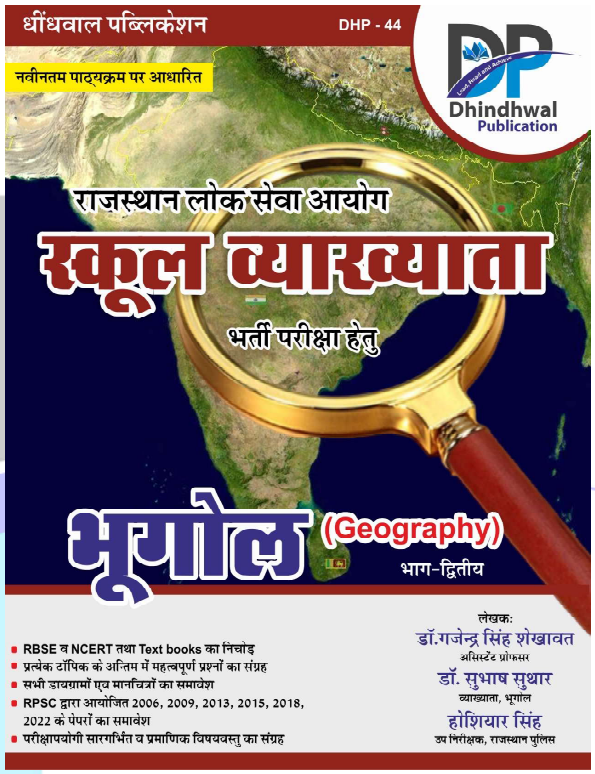

– Dhindhwal Publication

– धींधवाल पब्लिकेशन

– Dhindhwal Classes

– @Publication-DP

– Dhindhwal Publication

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।